

चंद्रयान-3 : मेकॉन के 50 इंजीनियर्स की टीम ने इसरो के लिये डज़ाइन किया था लांचिंग पैड

चर्चा में क्यों?

23 अगस्त, 2023 को भारत के मशिन चंद्रयान-3 की सफल सॉफ्ट लैंडिंग चाँद की सतह पर हो चुकी है। इसमें झारखंड की राजधानी राँची का बहुत बड़ा योगदान है, जिसकी दो संस्थाओं मेकॉन और एचईसी ने लांचिंग पैड को डज़ाइन किया है।

प्रमुख बटु

- यह तीसरा मौका था, जब भारत की अंतरिक्ष एजेंसी भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने चंद्रयान का प्रक्षेपण किया है।
- चंद्रयान-3 के कई महत्वपूर्ण उपकरणों का निर्माण भी एचईसी में हुआ। इसरो के लिये सबसे बड़े लांचिंग पैड जीएसएलवी को मेकॉन ने तैयार किया। इसके उपकरण राँची और टाटा में भी बने हैं। मेकॉन ने इसके कॉन्सेप्ट से लेकर कमिनिग तक का काम किया।
- इस प्रोजेक्ट का हस्तिा रहे मेकॉन के इंजीनियर नशिथ कुमार ने बताया कि वर्ष 1999 में मेकॉन को इसरो के लिये रॉकेट प्रक्षेपण हेतु लांचिंग पैड बनाने का कॉन्ट्रैक्ट मिला। यह पहला मौका था, जब भारत में रॉकेट को लॉन्च करने के लिये लांचिंग पैड का निर्माण हुआ। इसके पहले भारत के पास रॉकेट के प्रक्षेपण के लिये लांचिंग पैड बनाने का कोई अनुभव नहीं था।
- मेकॉन के पास पुराना कोई रेफरेंस भी नहीं था। इसरो ने अपनी जरूरतें बताईं और मेकॉन के एसआर मजूमदार के नेतृत्व में मेकॉन के 50 इंजीनियर्स की कोर टीम ने काम शुरू किया और इस प्रोजेक्ट को सफल बनाया।
- मेकॉन ने झारखंड की दो कंपनियों के अलावा देश के अलग-अलग हस्तिसे की कंपनियों से भी उपकरण बनवाये। कुछ चीजें वदिशों से भी मंगायी गईं।
- मेकॉन के इंजीनियर ने बताया कि देश की प्रतिष्ठित कंपनी टाटा ने जमशेदपुर की इकाई में कुछ उपकरणों का निर्माण किया था। राँची की एचईसी ने भी कई उपकरणों का निर्माण किया और असंबलुगि का भी काम किया। चेन्नई की कंपनी केटीवी, मुंबई की कंपनी गोदरेज के अलावा भी कई कंपनियों ने लांचिंग पैड के लिये उपकरण बनाये थे। कुछ इक्विपमेंट्स रूस और यूरोप से भी मंगावाये गए थे।
- वदिति है कि राँची स्थित हेवी इंजीनियरिंग कॉर्पोरेशन (एचईसी), जिसे मदर ऑफ ऑल इंडस्ट्रीज कहा जाता है, ने जीएसएलवी के लिये हॉरिजेंटल स्लाइडिंग डोर, फोल्डिंग कम वर्टिकल रपिजशिनेबल प्लटफॉर्म (एफसीवीआरपी), मोबाइल लांचिंग पेडेस्टल और 10 टन का हैमर हेड टॉवर करने बनाया है। 10 टन का हैमर हेड टॉवर करने रॉकेट के बैलेंस को बनाये रखता है।
- इसरो अपने सभी बड़े रॉकेट का प्रक्षेपण इसी मोबाइल लांचिंग पेडेस्टल से करता है।



10 T Hammer Head Tower Crane



PDF Refernece URL: <https://www.drishtiiias.com/hindi/printpdf/chandrayaan-3-a-team-of-50-engineers-from-mecon-had-designed-the-launching-pad-for-isro>

